BY NAVNEET SIR Subscribe KGS TEACHING EXAM

हिन्दी

BPSC 4.0

Hindi by Navneet Sir

पानी में गिरने से किसी की मृत्यु नहीं होती,
मृत्यु तभी होती है जब तैरना नहीं आता,
परिस्थितियां कभी समस्या नहीं बनती,
समस्या तभी बनती है जब
उनसे निपटना नहीं आता.

वाक्य कितने प्रकार के होते हैं

वाक्य को मुख्यतः दो प्रकार से विभाजित किया गया है! अर्थात वाक्यों का विभाजन दो आधार पर किया गया है! जो इस प्रकार निम्न है!

1.अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार 4

2.रचना के आधार पर वाक्य के प्रकार 3

वाक्य

शब्दों का ऐसा व्यवस्थित रूप जिससे मनुष्य अपने विचारों का आदान प्रदान करता है उसे वाक्य कहते हैं।
एक सामान्य वाक्य में क्रमशः कर्ता, कर्म और क्रिया होते हैं।

वाक्य के प्रकार

रचना के आधार पर

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र वाक्य

① सरल वाक्य / साधारण वाक्य
② संयुक्त वाक्य
③ मिश्र वाक्य

अर्थ के आधार पर

1. विधानवाचक वाक्य
2. इच्छावाचक वाक्य
3. आज्ञावाचक वाक्य
4. निषेधवाचक वाक्य
5. प्रश्नवाचक वाक्य
6. विस्मयादिबोधक वाक्य
7. संकेतवाचक वाक्य
8. संदेहवाचक वाक्य

① विधान वाचक
② इच्छा वाचक
③ आज्ञा वाचक
④ निषेध वाचक

वाक्य विचार

वह शब्द समूह जिससे पूरी बात समझ में आ जाये, 'वाक्य' कहलाता है।

दूसरे शब्दों में- विचार को पूर्णता से प्रकट करनेवाली एक क्रिया से युक्त पद-समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

सरल शब्दों में- सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह जिससे अपेक्षित अर्थ प्रकट हो, वाक्य कहलाता है।

जैसे- विजय खेल रहा है, बालिका नाच रही है।

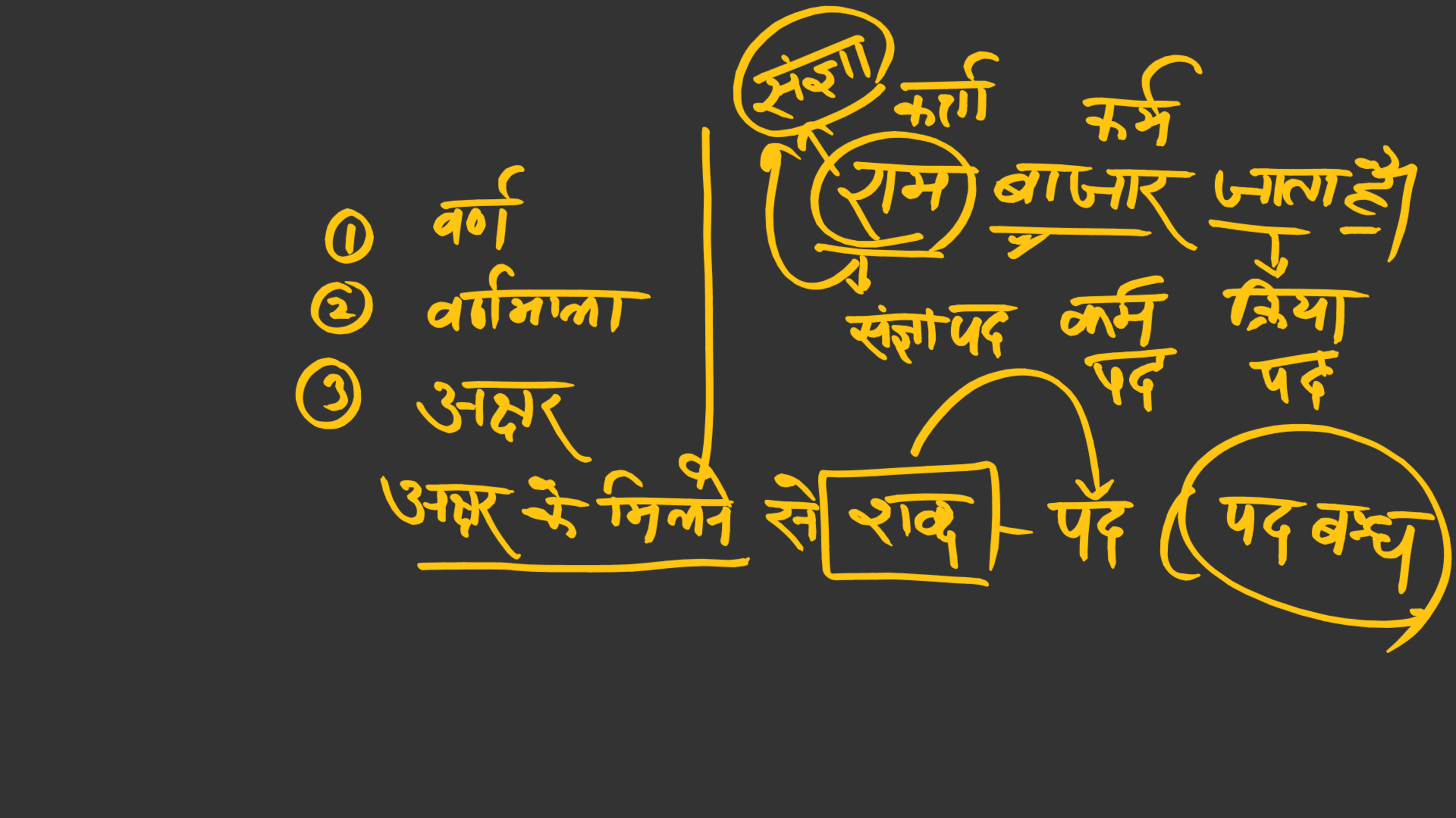
संज्ञा
कर्ता
कर्म
राम
बाजार
जाता है
संज्ञा पद
कर्म पद
क्रिया पद
① वर्ण
② वर्णमाला
③ अक्षर
अक्षर के मिलने से
शब्द
पद
पद बन्ध

वाक्य

① शब्दों का वह क्रम समूह जिससे वक्ता को श्रोता की बात और श्रोता की बात समझ में आजाए वह वाक्य कहलाता है।

दूसरे शब्दों में- विचार को पूर्णता से प्रकट करनेवाली एक क्रिया से युक्त पद-समूह को 'वाक्य' कहते हैं।

① योग्यता
② आकांक्षा
③ आसत्ति

जैसे- विजय खेल रहा है, बालिका नाच रही है।

आचार्य विश्वनाथ ने अपने 'साहित्यदर्पण' में लिखा है

''वाक्यं स्यात् योग्यताकांक्षासत्तियुक्त: पदोच्चय:।

अर्थात वाक्य ऐसे पदसमूह का नाम है जिसमें योग्यता, आकांक्षा और आसक्ति (सामीप्य) ये तीनों वर्तमान हों। उसे वाक्य कहते हैं।

वाक्य के भाग

वाक्य के दो भेद होते है

(i)उद्देश्य (Subject)

(ii)विद्येय (Predicate)

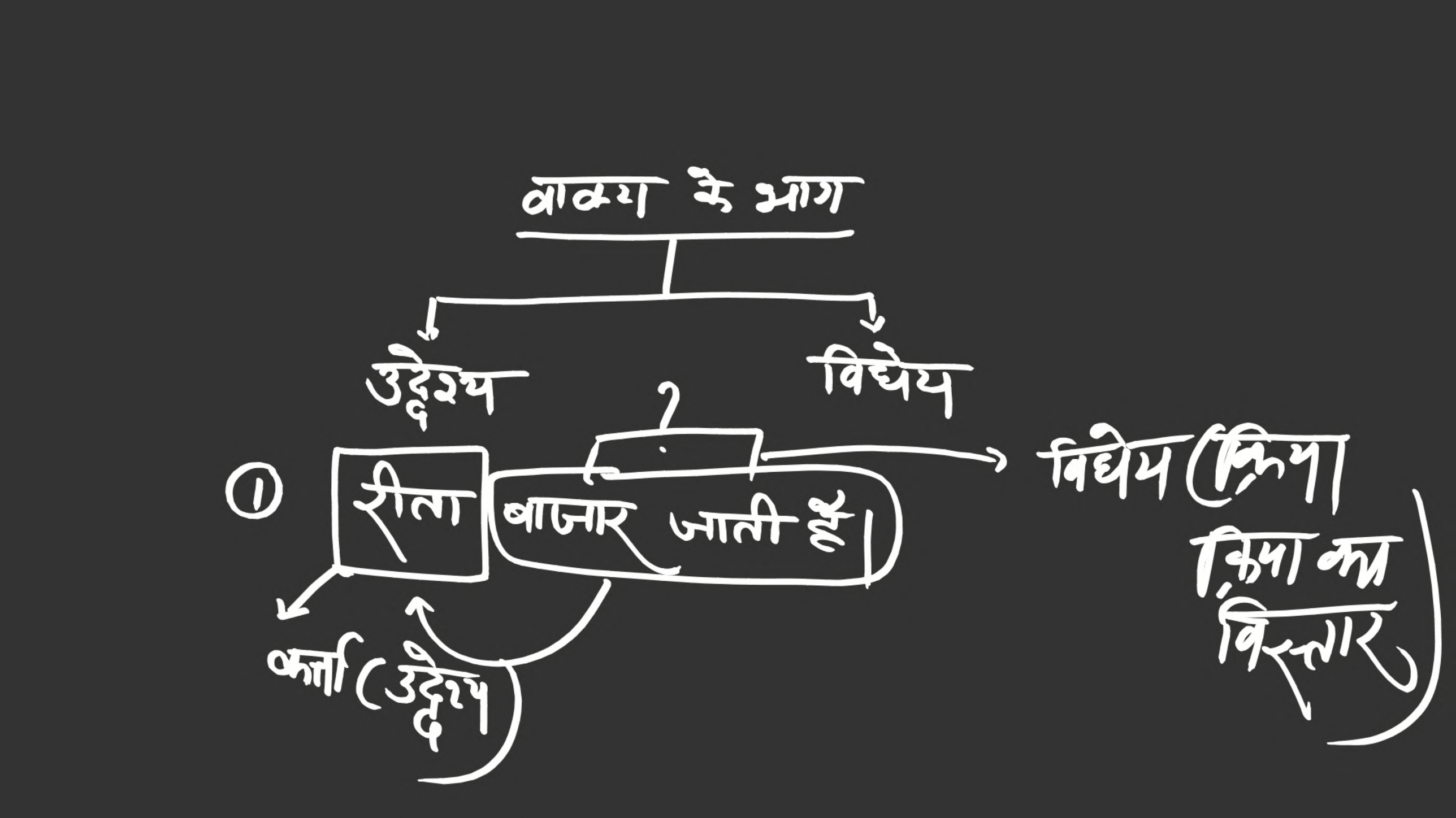
वाक्य के भाग
उद्देश्य
विधेय
?
①
सीता
बाजार जाती है।
विधेय (क्रिया क्रिया का विस्तार)
कर्ता (उद्देश्य)

① किसी वाक्य में जिसके बारे में कहा जाता है।
वह उद्देश्य होता है।
उद्देश्य के अतिरिक्त जो शुद्ध वाक्य में बचता है।
उसे विधेय कहा जाता है।

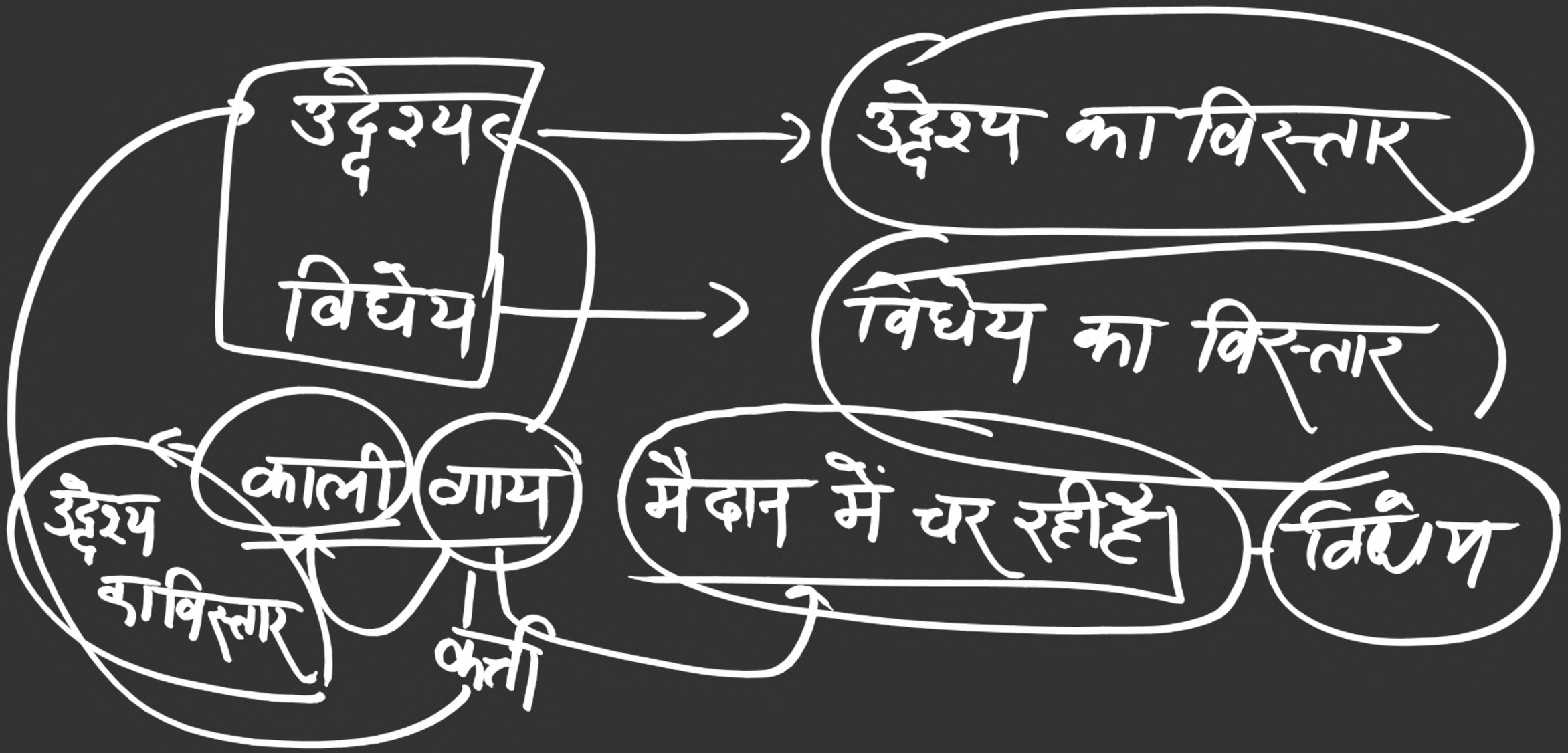
उद्देश्य
विधेय
उद्देश्य का विस्तार
विधेय का विस्तार
काली गाय
मैदान में चर रही है
उद्देश्य का विस्तार
काली
विधेय

उद्देश्य :- वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाये उसे उद्देश्य कहते हैं।

सरल शब्दों में- जिसके बारे में कुछ बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।

जैसे- पूनम किताब पढ़ती है। सचिन दौड़ता है।

इस वाक्य में पूनम और सचिन के विषय में बताया गया है। अतः ये उद्देश्य है। इसके अंतर्गत कर्ता और कर्ता का विस्तार आता है जैसे- 'परिश्रम करने वाला व्यक्ति' सदा सफल होता है। इस वाक्य में कर्ता (व्यक्ति) का विस्तार 'परिश्रम करने वाला' है।

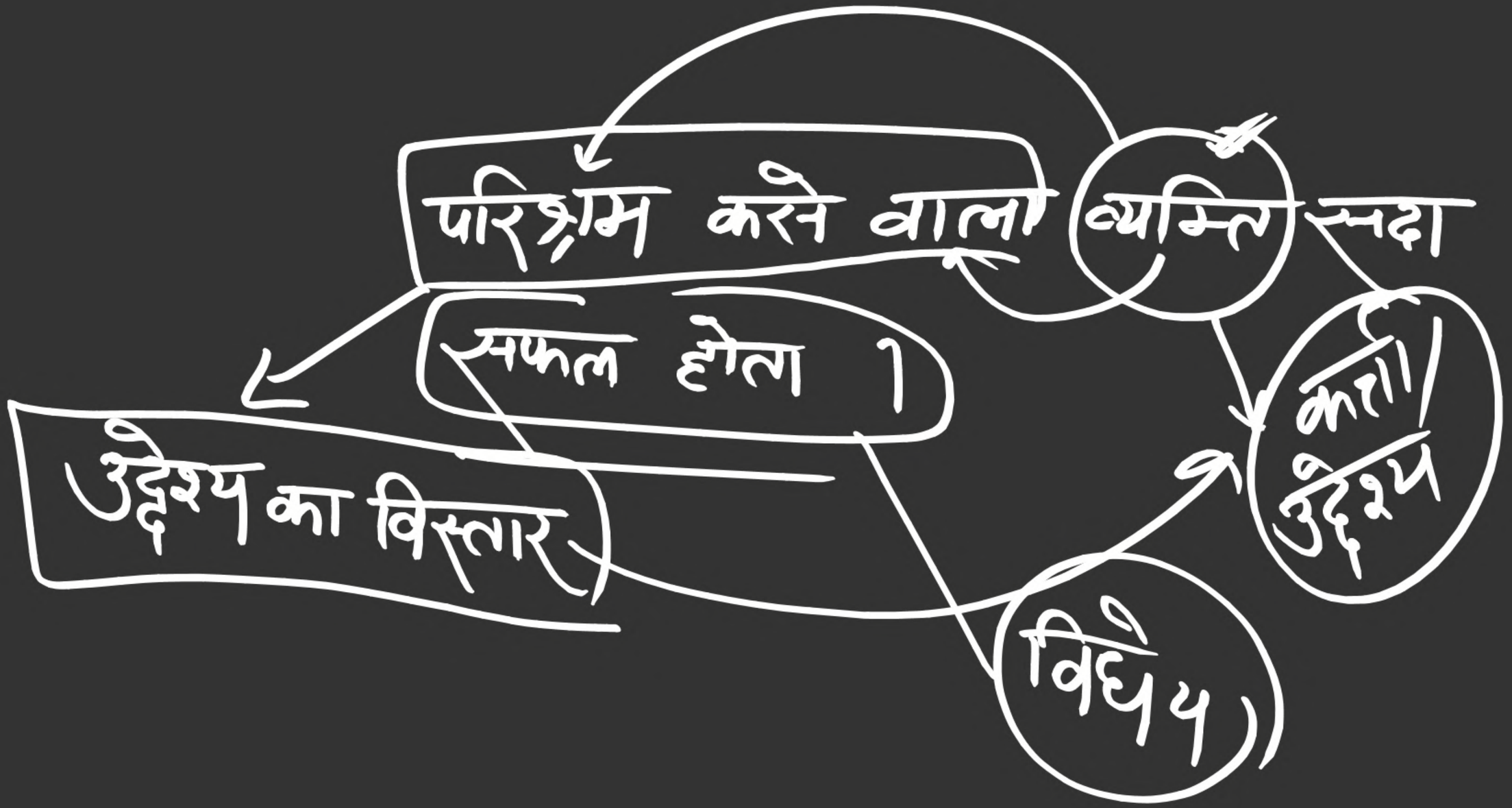
परिश्रम करने वाला व्यक्ति सदा
सफल होता है।
उद्देश्य का विस्तार
कर्ता उद्देश्य
विधेय

उद्देश्य के भाग-

उद्देश्य के दो भाग होते है-

(i) कर्ता / उद्देश्य

(ii) कर्ता का विशेषण या कर्ता से संबंधित शब्द। उद्देश्य

विद्येय (Predicate):- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाता है, उसे विद्येय कहते है।

जैसे- पूनम किताब पढ़ती है।

इस वाक्य में 'किताब पढ़ती' है विधेय है क्योंकि पूनम (उद्देश्य)के विषय में कहा गया है।

दूसरे शब्दों में- वाक्य के कर्ता (उद्देश्य) को अलग करने के बाद वाक्य में जो कुछ भी शेष रह जाता है, वह विधेय कहलाता है।

इसके अंतर्गत विधेय का विस्तार आता है। जैसे- लंबे-लंबे बालों वाली लड़की 'अभी-अभी एक बच्चे के साथ दौडते हुए उधर गई'।

इस वाक्य में विधेय (गई) का विस्तार 'अभी-अभी एक बच्चे के साथ दौड़ते हुए उधर' है।

विशेष-आज्ञासूचक वाक्यों में विद्येय तो होता है किन्तु उद्देश्य छिपा होता है।

जैसे- वहाँ जाओ। खड़े हो जाओ।

इन दोनों वाक्यों में जिसके लिए आज्ञा दी गयी है वह उद्देश्य अर्थात 'वहाँ न जाने वाला '(तुम) और 'खड़े हो जाओ' (तुम या आप) अर्थात उद्देश्य दिखाई नही पड़ता वरन छिपा हुआ है।

विधेय के भाग-

विधेय के छः भाग होते है-

(i) क्रिया

(ii) क्रिया के विशेषण

(iii) कर्म

(iv) कर्म के विशेषण या कर्म से संबंधित शब्द

(v) पूरक

(vi)पूरक के विशेषण।

नीचे की तालिका से उद्देश्य तथा विधेय सरलता से समझा जा सकता है

वाक्य	उद्देश्य	विधेय
गाय घास खाती है	गाय	घास खाती है।
सफेद गाय हरी घास खाती है।	सफेद गाय	हरी घास खाती है।

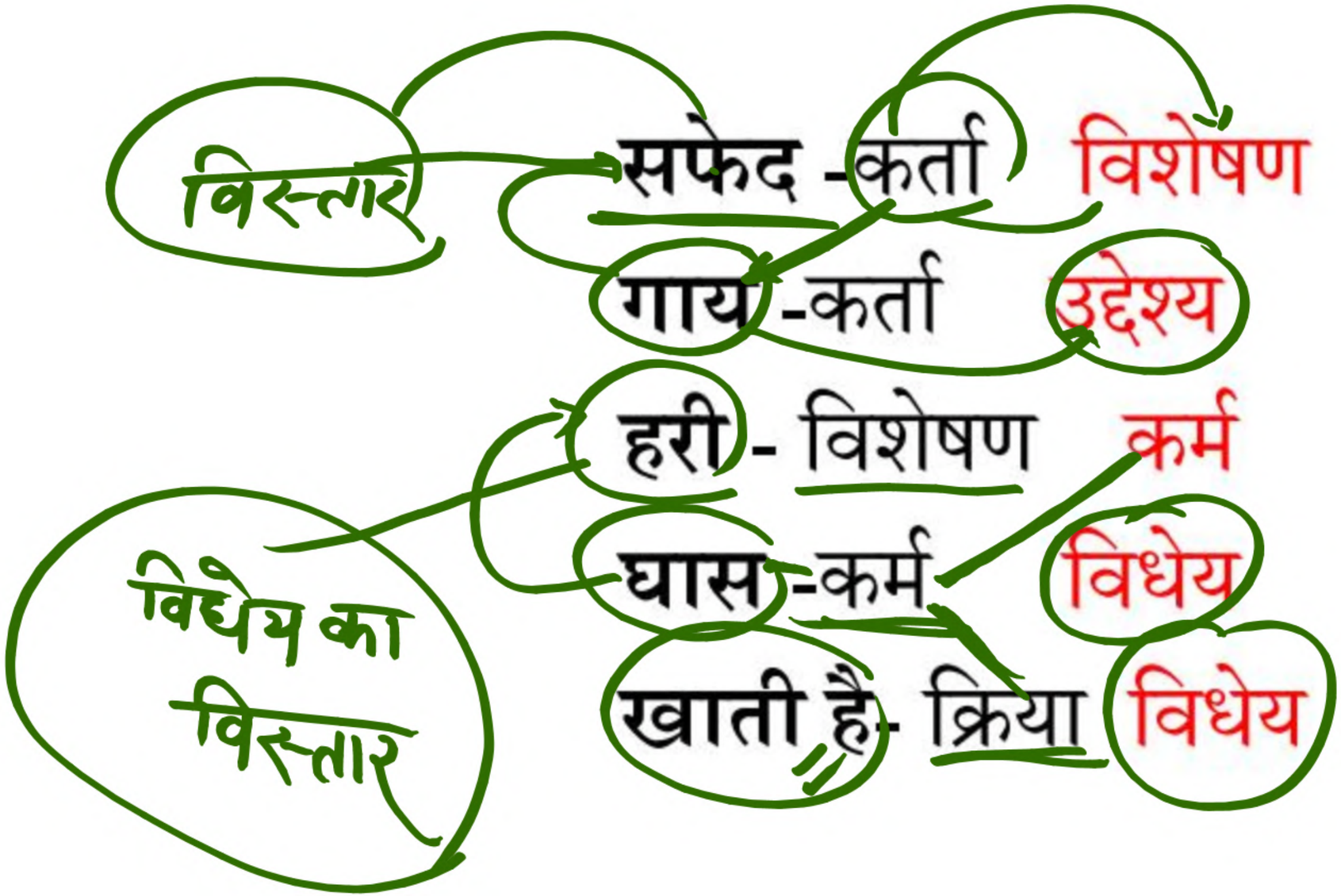
विस्तार
सफेद -कर्ता
विशेषण
गाय -कर्ता
उद्देश्य
हरी - विशेषण
कर्म
विधेय का विस्तार
घास -कर्म
विधेय
खाती है - क्रिया
विधेय

वाक्य के भेद

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते है-

(i)साधरण वाक्य या सरल वाक्य

(ii)मिश्रित वाक्य

(iii)संयुक्त वाक्य